Basic conditions of learning

1. Maturation परिपक्वता
2. Readiness तत्परता
3. Attention अवधान
4. Motivation प्रेरणा
5. Fatigue थकान
6. Materials. विषय सामग्री
7. Learning Style. सीखने की शैली
8. Task & Methods कार्यविधी

. अधिगम प्राणी की सहज क्रिया है। जन्म से ही वह कुछ न कुछ सीखता रहता है। उसके सीखने की मात्रा तथा कुशलता पर अनेक कारकों का प्रभाव पड़ता है।

① परिपक्वता (Maturation)

शारीरिक और मानसिक परिपक्वता वाले छात्र नये पाठ को सीखने के लिये सदैव तत्पर और इच्छुक रहते हैं। अतः वे सीखने में किसी प्रकार की कठिनाई का अनुभव नहीं करते हैं। यदि छात्रों में शारीरिक और मानसिक परिपक्वता नहीं है तो सीखने में उनके समय और शक्ति का नाश होता है।

परिपक्वता का अर्थ
Meaning of Maturation

सामन्यतः परिपक्वता की यह धारणा है कि शरीर की क्षमता जिस व्यवहार को करने के योग्य होती है वही परिपक्वता (Maturation) होती है।

किसी भी कार्य को सीखने के लिये शारीरिक मानसिक रूप से सक्षम होना आवश्यक है। यह सक्षमता

REDMI NOTE 8
48MP QUAD CAMERA

ही परिपक्वता (Maturation) है।

परिपक्वता की परिभाषा
Definition of Maturation

(1) जरशील्ड तथा अन्य (Jersild A.T and Others) के अनुसार

"परिपक्वता वह प्रक्रिया है जो प्राणी में क्रियात्मक तत्परता उत्पन्न करने की क्षमता उत्पन्न करती है। इस प्रक्रिया में अभिवृद्धि तथा विकास के कारण हो रहे शारीरिक मानसिक परिवर्तन भी सम्मिलित है।"

Maturation is the process by which underlying potential capacity of the organism reach at the stage of functional readiness this process involves both the changes in structure that were with growth and the progressive exercise by structures that provide ground work for later performance.

(2) आईजिंक तथा अन्य (Eysenck H. J. and Others) के अनुसार

"परिपक्वता वह प्रक्रिया है जिसमे प्राणी में निहित क्षमताएँ तत्परता की स्थिति में पहुँच जाती है। विकास तथा अभिवृद्धि के साथ होने वाले परिवर्तन भी इसमें निहित होते हैं। इसमें संरचनात्मक प्रगति का अभ्यास भी निहित होता है।"

Maturation an autonomenes process of somatic, psychological and mental

differentiation and integration spread over developmental stage and phases which condition and joined on one another in the course of time as a result of this process the individuals growth is completed and consolidated emotionally mentally and spiritually as well as socially and he can thus adapt life.

परिपक्वता विकास की एक व्यवस्था है जो हर समय चलती रहती है। इसके द्वारा व्यक्ति अपने को कुछ कार्य करने के लिये सक्षम पाता है। परिपक्वता वास्तव में नवीन ज्ञान तथा क्रिया को सीखने की तैयारी का क्रम है जो बालक में बोध (Understanding) तथा परिपक्वता सार्थ उत्पन्न करते हैं।

परिपक्वता के विषय में कुछ प्रमुख बिन्दु इस प्रकार है।

1. परिपक्वता पूर्ण व्यवहार (Maturity is a Complete Behavior) ⟹ परिपक्वता के रूप में सम्पूर्ण व्यवहार प्रकट होता है। बालक में बटन लगाने, चीजें पकड़ने, शु लेस बांधने, कुर्सी पकड़कर खड़े होने आदि की सभी क्रियाएँ उसकी परिपक्वता का प्रतीक है।

2. अधिगम थी सीखने का आवश्यक तत्व (Essential Element of Learning)

परिपक्वता अधिगम की

की अनिवार्य आवश्यकता है। अधिगम की प्रक्रिया जीवनपर्यन्त चलती रहती है। मानव विकास अधिगम द्वारा होता है। इसका आधार परिपक्वता होती है।

③ परिपक्वता के प्रारूप - Maturity Format

अधिगम का आधार परिपक्वता है। अधिगम की प्रक्रिया मानी गयी है, इसमें अनेक कारक उत्तरदायी है। जो इस प्रकार है —

(i) अधिग्रहण — Acquisition

जो व्यवहार संशोधन में अत्यन्त सहायक होता है। अधिग्रहण के द्वारा ही अधिगम की परिभाषा स्वरूप एवं प्रकृति को निर्धारित किया जाता है। अधिग्रहण द्वारा विद्यार्थी मानसिक रूप से अधिगम के लिये तैयार होता है।

(ii) धारणा Retention — धारणा के अभाव में विद्यार्थी किसी भी अर्जित गुण को अभिव्यक्त नहीं कर सकता इससे यह स्पष्ट किया जा सकता है जब किसी व्यवहार तथा प्रक्रिया को सीख लेने के पश्चात भी धारणा नहीं होती तो इस व्यवहार की अभिव्यक्ति का प्रश्न नहीं उठता

(iii) सशक्त (Potential) - सशक्त प्रत्यास्मरण के द्वारा ही परिपक्वता तथा अधिगम व्यवहार का पता चलता है।

④ शारीरिक क्षमता — (Physical Fitness) —

परिपक्वता अधिगम व्यवहार की अभिवृद्धि

शारीरिक क्षमता पर ही निर्भर करती है। अधिग्रहण, धारणा तथा सशक्त प्रत्यास्मरण तभी अपना कार्य ठीक प्रकार से करते है। ~~जब~~ जब तक शरीर व उसकी मांसपेशियाँ परिपक्व नहीं हो पाती ~~तब~~ तब तक व्यवहार का संशोधन नहीं हो सकता।

(5) अधिगम कौशल के लिये आवश्यक (Necessary for learning skill :)—

परिपक्वता शारीरिक तथा मानसिक ~~परिपक्वता होना अनिवार्य है~~ ~~परिपक्वता मानव~~ अधिगम की कुशलता के लिये आवश्यक है। किसी भी कार्य को सीखने के लिये शारीरिक तथा मानसिक परिपक्वता होना अनिवार्य है।

परिपक्वता की विशेषताएँ
Characteristics of Maturation)

1) यह ~~जी~~ जीनी प्रभावो का योग है।
Sum of gene effects.
2.) यह स्वचालित प्रक्रिया है (Automatic Process)
3) परिपक्वता विकास और वृद्धि है (Growth and Development)
4) परिपक्वता वृद्धि की पूर्णता है।
(Completion of Growth)
5) परिपक्वता अंतःकरण में ~~यथा~~ आवश्यक परिवर्तन करती है। (Modification from within).

REDMI NOTE 8
48MP QUAD CAMERA

6) यह अधिगम का आधार है।
(Base of learning)

7) परिपक्वता और शारीरिक स्वास्थ्य में घनिष्ठ सम्बन्ध होता है।
(Maturity and Physical are related)

8) परिपक्वता सीखने के कौशल हेतु आवश्यक है।
(Essential for learning skill)

9) परिपक्वन से पूर्व प्रशिक्षण दिया जाना व्यर्थ है।
(Training Before Maturity is useless).